an>

Title: Need to constitute a Sangam Mela Authority for Kumbha Mela in Allahabad, Uttar Pradesh.

श्री केशव प्रसाद मौर्य (फूलपुर): माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे शून्य काल में बोलने का अवसर दिया। जैसा कि सम्पूर्ण सदन जानता है, इलाहाबाद में विश्वप्रसिद्ध, संसार का सबसे बड़ा कुम्भ मेला लगता है, जहां दस करोड़ से अधिक संख्या में तीर्थयात्री आते हैं। प्रत्येक वÂान् वहां माघ मेले का भी आयोजन होता है जिसमें पांच करोड़ से अधिक संख्या में तीर्थयात्री अलग-अलग स्नान पर्वों पर एकत्र होते हैं, लेकिन वहां की व्यवस्था सदैव बहुत खराब रहती है। जब भी कोई बड़ा मेला होता है तो वहां ऐसी घटनाएं, दुर्घटनाएं घटती हैं जिनसे तीर्थयात्रियों को अनेक प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। प्रदेश सरकार के माध्यम से वहां की व्यवस्था संभलती नहीं है। चूंकि यह बहुत बड़ा मेला क्षेत्र हैं, इसलिए मैं मांग करता हूं कि शहरी विकास मंत्रालय केन्द्र के अधीन वहां व्यवस्था कराए और वहां के लिए संगम मेला प्राधिकरण का गठन किया जाए।

वहां पर एक किला है, जहां अक्षयवट है, जहां बिन्दुमाधव का...(व्यवधान) वह किला सेना के कब्जे में है। मैं आपके माध्यम से यह मांग करता हूं कि उसे खाली कराया जाए। इसी तरह से प्रयाग में नेहरू पार्क भी सेना के कब्जे में है, उसे भी खाली कराने की मांग करता हूं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ठीक है, आपकी बात हो गयी है।

श्री केशव प्रसाद मौर्य: अध्यक्ष महोदया, हेलापट्टी से सलोरी, कुड़ेसर घाट से फतेहपुर घाट, मलाकराड़ से टी.पी. नगर के लिए गंगा जी पर छः लेन के सेतु का निर्माण हो एवं असरावे पूर्व से इलाहाबाद-चित्रकूट मार्ग को जोड़ने के लिए छः लेन के सेतु का निर्माण किया जाए। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इतनी मांगें एक साथ नहीं रखिए।

श्री केशव प्रसाद मौर्य: अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का अवसर दिया, उसके लिए आपको धन्यवाद देता हूं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा उठाए गए विÂाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

श्री कृÂण प्रताप सिंह, आप बोलिए - नहीं बोल रहे हैं।

श्री गौरव गोगोई, आप बोलिए।